दिवाली के अवसर पर रोशनी से रोशन होता ब्रह्माकुमारीज़ का मानसरोवर परिसर

कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, राजयोगिनी ब्र.कु. मुन्नी दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. शीलू दीदी, राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर, राजयोगी ब्र.कु. करूणा, राजयोगी ब्र.कु. गोपाल, राजयोगिनी ब्र.कु. गीता दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. ऊषा दीदी तथा अन्य भाई-बहनें।

दिल्ली-इंदरपुरी। ब्रह्माकुमारीज़ के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग की ओर से ब्र.कु. सुनीता बहन, ब्र.कु. डॉ. सुनीता पांडे एवं ब्र.कु. हीना बहन ने केन्द्रीय मत्स्य पालन,पशुपालन और डेयरी मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला से मुलाकात कर उन्हें संस्था द्वारा कृषि के क्षेत्र में किये जा रहे उन्नत प्रयासों से अवगत कराया व ईश्वरीय सौगात भेंट की।

माती कानपुर देहात-उ.प्र.। जिलाधिकारी आलोक सिंह से ज्ञान चर्चा के पश्चात् उन्हें ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. कोमल बहन व ब्र.कु. कल्पना बहन।

दुबई। शांग्रीला होटल में थेम्स इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी,फ्रांस द्वारा आयोजित 'एशिया अरब एजुकेशन एंड लीडरशिप सम्मिट' में डॉ. ब्र.कु. नथमल,कटक को कला के क्षेत्र में किये गये उल्लेखनीय कार्य के लिए थेम्स इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी,फ्रांस के प्रो वाइस चांसलर डॉ. मानव आहुजा, दुबई के उद्योजक फहाद अल मजरूही, डॉ. राधाकृष्णन नंबियार द्वारा 'एशिया अरब एक्सीलेंस अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया।

मीरगंज-गोपालगंज(बिहार)। नवरात्रि के अवसर पर चैतन्य देवियों की झाँकी का उद्घाटन करने के पश्चात् उपस्थित हैं इंस्पेक्टर ललन कुमार, अंचल पदाधिकारी रविश कुमार, वार्ड पार्षद रघुवर पंडित, वार्ड पार्षद मोहम्मद गयासुद्दीन, ब्र.कु. अंगुर बहन, ब्र.कु. सुनीता बहन व ब्र.कु. उर्मिला बहन।

गया-ए.पी. कॉलोनी(बिहार)। नवरात्रि पर आयोजित चैतन्य नव दुर्गा झाँकी के उद्घाटन पश्चात् समूह चित्र में काराधिक्षक विजय करोड़, रोशनी क्लब अध्यक्ष दुर्गा पूजा राज कुमार अग्रवाल, डॉ. पी.के. वर्मा, प्रो. रीना जी, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सुनीता बहन, ब्र.कु. प्रतिमा बहन तथा अन्य।

राजयोगिनी ब्र.कु.जयंती दीदी,अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका,ब्रह्माकुमारीज़

मिसअंडरस्टैंडिंग तब होती जब बोलने वाले के भी स्पष्ट भाव नहीं हैं, उसके मन में भी कुछ दुविधा चल रही है। और जो सुनने वाला है वो तो फिर क्या लेगा। वो भी मिक्सड मैसेज लेगा। ये भी हो सकता है, वो भी हो सकता है। पूरा उन्हों के सामने भी स्पष्ट नहीं होगा।

बस ये दो शब्द...

कईयों ने तो दादी गुल्ज़ार को भी नहीं देखा तो दादी प्रकाशमणि या मम्मा की तो बहुत पीछे के इतिहास की बात हो गई। परन्तु आप समझ सकती हैं और आजकल तो वीडियो द्वारा कितनी बातें सब तरफ पहुंच जाती हैं। मुझे याद आता है कि किसी ने मुझे कहा कि मैं चाहती थी कि मम्मा को मैं ज़्यादा जानूं, तो मैं सोचती थी कि मैं कैसे जान सकती हूँ! तो फिर उसने खोज की और अपनी खोज से उसको मम्मा की कुछ बुक्स का पता चला और मम्मा की वाणी की बहुत सारी बातें मिलीं, तो कुछ सप्ताह के बाद उसने कहा कि अभी मुझे लगता है कि मैं मम्मा को अच्छी तरह से जानती हूँ। और हाँ मैं मम्मा को उस कदम में फॉलो कर सकती हूँ।

तो आज का टेक्नोलॉजी का साधन ऐसे है जो बेशक हम फिज़िकल हिसाब से इन दादियों से न भी मिले हों, जो मिले हैं उन्हों का तो सौभाग्य। जो न मिले हैं वो ये नहीं कह सकते कि हम उन्हों को जानते नहीं। जैसे शिव बाबा को इन आँखों से तो नहीं देख सकते परंतु बुद्धि से तो जान सकते हैं। इसी तरह से जिन्होंने इतने यज्ञ की स्थापना के कार्य में मदद की, सेवायें की, जो इतना फाउंडेशन मजबूत चल रहा है और वृद्धि को प्राप्त करते जा रहे हैं। उन्हों की भी आप बिल्कुल थोड़ा-सा खोज करेंगे तो आपको बहुत कुछ उसकी जानकारी मिलेगी। और आप उन्हों को अपने आँखों के सामने देखेंगे, जैसे फरिश्ते घूम रहे हैं और आपको उन्हों के द्वारा वो प्राप्ति हो सकेगी।

तो मैं इस कारण से आपको वो एग्ज़ाम्पल्स दे रही हूँ, जो बेशक अभी आँखों के सामने नहीं हैं परन्तु फरिश्ते रूप में तो अवश्य ही हम सबके सामने हैं। तो कम बोलना और धीरे बोलना। आपने सोचा होगा कभी हाई गवर्नमेंट ऑफिसर्स होते हैं या कोई रॉयल फैमिली का होता है कलियुग के अन्त में भी तो वो ऊंचे आवाज़ से नहीं बोलते। वो अपने बहुत शांति की आवाज़ से बात करते हैं। कई आपसे मिले भी होंगे, कई आपने टेलिविज़न पर देखा भी होगा। तो दादियों का भी कभी किसको बड़े आवाज़ से पुकारे यहाँ आओ, नहीं। इशारे से। उन्हों का कम बोलना, धीरे बोलना ऐसे था कि बहुत कुछ इशारों से ही चलता था। और दादियों को वो भी पसंद होता था कि उन्हों के आजू-बाजू में सेवा करने वाले हैं वो भी दादियों के इशारे को समझ कर बात करें। नहीं तो ये भी सोच सकते हैं कि परन्तु दादी ने मुझे कहा थोड़े ही। दादी कहेंगी, कोई भी दादी, दादी कहेंगी क्या आपने मेरे इशारे को नहीं समझा! कहने की बात तो थी ही नहीं। आप मुझे जानते हो। आप इशारों से समझ सकते थे। तो वो बहन ज़रूर ऐसे कहेगी जी दादी। हाँ, सॉरी।

कम बोलने की एक आदत होती है। जो डालनी होती है। कई कहते हैं कि मेरा आवाज़ ही बहुत बड़ा है। परन्तु बड़े आवाज़ को भी नॉर्मल रूप से बात करना या बड़े आवाज़ को बहुत ऊंचे रूप से बात करना वो भी अपने हाथ की ही बात होती। तो धीरे बोलना ये भी बहुत ही आवश्यक बात है। और ऐसे अपना माइंड क्लीयर हो जो हम थोड़े शब्दों में धीरे बोलने से अपने भाव को स्पष्ट किसके सामने करें। आप सोचो कि मिसअंडरस्टैंडिंग कब होती है। मिसअंडरस्टैंडिंग तब होती जब बोलने वाले के भी स्पष्ट भाव नहीं हैं, उसके मन में भी कुछ दुविधा चल रही है। और जो सुनने वाला है वो तो फिर क्या लेगा। वो भी मिक्सड मैसेज लेगा। ये भी हो सकता है, वो भी हो सकता है। पूरा उन्हों के सामने भी स्पष्ट नहीं होगा।

तो ये दो बातें पहले, फिर मीठा बोलना, ऊपर-ऊपर से मीठा बोलने का भाव नहीं निकलता। वो भी लोग आजकल समझ ही जाते हैं कि ये तो ऊपर-ऊपर से ही बात कर रही है या रहा है। उन्हों के तो मन के भाव अलग हैं और शब्दों का भाव अलग है। हरेक को ये फीलिंग आती है। परन्तु जब हम ये मंत्र याद करते कि मीठा बोलना है उसका मतलब ये है कि आत्मा ने अपने अन्दर की इतनी सफाई की हुई हो जो बाबा कहते थे कि पवित्रता की स्टेज वो हो जो व्यर्थ कुछ भी न आये। न संकल्प में और न स्वप्न में।

अजमेर-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ के शिव वरदान भवन चौरसिया वास रोड वैशाली नगर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में द थीम्स इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के प्रो वाइस प्रोफेसर चांसलर रिपु रंजन सिन्हा राजयोगिनी ब्र.कु. शांता दीदी को डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित करते हुए। साथ हैं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. ऊषा दीदी, ब्र.कु. रूपा बहन, ब्र.कु. भानु भाई, राजयोगी ब्र.कु. सुरेंद्र भाई तथा अन्य।

बरेली-बजरिया पूरनमल(उ.प्र.)। एम.जे.पी. रुहेलखंड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह से ईश्वरीय ज्ञान चर्चा के पश्चात् समूह चित्र में उनके साथ ब्र.कु. पार्वती दीदी, ब्र.कु. नीता बहन, ब्र.कु. पारुल बहन व ब्र.कु. अनुराग भाई।

दुबई। शांग्रीला होटल में थेम्स इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी,फ्रांस द्वारा आयोजित 'एशिया अरब एजुकेशन एंड लीडरशिप सम्मिट' में डॉ. ब्र.कु. लीना को वैल्यू एजुकेशन के लिये किये गये विशेष योगदान के लिए थेम्स इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी,फ्रांस के प्रो वाइस चांसलर डॉ. मानव आहुजा, दुबई के उद्योजक फहाद अल मजरूही, डॉ. राधाकृष्णन नंबियार द्वारा 'एशिया अरब एक्सीलेंस अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया।

कुराली-पंजाब। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र पर ज्ञान चर्चा के पश्चात् एमसी प्रेसिडेंट रंजीत सिंह, एमसी रमाकांत एवं एमसी दिनेश कुमार को ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. स्वराज बहन।